D
Batch- 2016-17 till 2019-20

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : दिसंबर –२०२२

सत्र – १

विषय : विशेष साहित्यकार – उपन्यासकार प्रेमचंद (भाग–१) (HC–१०२)

दि.: २२/१२/२०२२	**कुल अंक : ६०**	**समय : प्रात: १०.०० से दो. १२.३०**

सूचना : १) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

२) किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र. १ साहित्य सेवा को प्रेमचंद जी ने किस प्रकार देशसेवा बनाया? स्पष्ट कीजिए ।

प्र. २ 'गबन' उपन्यास की प्रमुख समस्याओं का वर्णन कीजिए। क्या वे समस्याएँ आज भी प्रासंगिक है?

प्र. ३ उपन्यासों के प्रमुख तत्त्वों का परिचय दीजिए।

प्र. ४ 'गोदान' उपन्यास का कौनसा पात्र आपको अच्छा लगा? क्यों?

प्र. ५ 'गबन' उपन्यास के उद्देश्य को लेकर यह बताइए कि प्रेमचंद इस उद्देश्य को लेकर कहाँ तक सफल हुए हैं?

प्र.६ अ) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

१) ''तुम यह निश्चय कर लो कि तुम्हें बयान बदलना है । बस और बातें अपने आप आ जावेंगी ।''

अथवा

२) जिसकी बाँह पकडी है, उसके साथ रहूँगी ।

ब) टिप्पणी लिखिए।

१) गोबर

अथवा

२) देवीदीन